Dainik Bhaskar (Indore), 23rd July 2025, Front Page Plus-04

भास्कर फॉलोअप

• डिजाइन फाइनल करने से पहले आईआईटी से अप्रूव कराएंगे, पोलोग्राउंड तरफ भी पेंच बरकरार

पोलोग्राउंड जेड ब्रिज की डिजाइन बदलेगी; एमआर-4 तरफ टी बनेगी, फिर भी भुजा उतारने में दिक्कत, क्योंकि रोड संकरी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

पोलोग्राउंड पर निर्माणाधीन जेड आकार का फ्लायओवर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के गले की हड्डी बन गया है। विवाद में घिरे ब्रिज के एमआर-4 तरफ वाले हिस्से में अब पीडब्ल्यूडी ने टी शेप देने की तैयारी कर ली है। ऐसा करने से 90 डिग्री का एक एंगल तो खत्म हो जाएगा, लेकिन टी आकार देने के बाद एमआर-4 तरफ जिस भुजा को उतारा जाएगा, उसके लिए पर्याप्त जगह नहीं बच रही है। जो भी डिजाइन बनाई जाएगी, उसे आईआईटी इंदौर के पास प्रूफ चेकिंग के लिए भेजा जाएगा।

एमआर-4 वाली भुजा का विरोध भी

एमआर-4 पर भुजा उतारने का उद्योग विरोध कर रहे हैं। उद्योगपति चाहते हैं कि भागीरथपुरा तरफ भुजा उतारी जाए। उनका तर्क है कि यहां पहले बने रेलवे क्रॉसिंग पर अधिकतर ट्रैफिक भागीरथपुरा से माल गोदाम का ही होता था। भागीरथपुरा तरफ संकरी सड़क है। आसपास की निजी और औद्योगिक जमीन खाली है। यानी उस पर कोई पक्का निर्माण नहीं है। यहां ट्रैफिक का ज्यादा दबाव भी नहीं है। वहीं एमआर-4 के शहर तरफ जाने वाले हिस्से में अचानक उसकी चौड़ाई आधी हो रही है। कई उद्योगों के प्लॉट यहां हैं, जो अपनी जमीन नहीं दे रहे। ऐसे में मौजूदा स्थिति में यहां भुजा उतारना हो तो जमीन अधिग्रहण के बिना संभव नहीं है।

ब्रिज की खामी को भास्कर ने उजागर किया

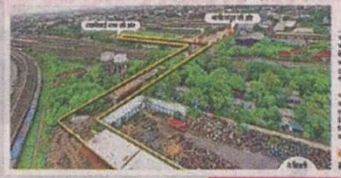

इंदौर का ऐशबाग... पोलोग्राउंड में पीडब्ल्यूडी बना रहा जेड आकार का रेलवे ओवरब्रिज, इसमें 90 डिग्री के दो मोड़

इंदौर का Z ब्रिज... गाड़ियों के लिए 18 मीटर का टर्न चाहिए पीडब्ल्यूडी ने 12 मीटर ही छोड़ा, ट्रैफिक सर्वे तक नहीं कराया

डिजाइन बदलकर T आकार में किया जाएगा

एक्सपर्ट

अतुल सेठ, यातायात समिति सदस्य

टी शेप देने से होगी राहत

एमआर-4 विकसित होने के बाद से यह सड़क शहर को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क बन गई है। अगर यहां दोनों भुजाएं एमआर-4 पर उतारी जाती हैं ऊपर टी आकार बनेगा, जिससे बड़ी गाड़ियों को ज्यादा परेशानी नहीं होगी। वर्तमान में ये सड़क लक्ष्मीबाई नगर तरफ 30 मीटर और शहर के अंदर तरफ 15 मीटर की ही बनी हुई है। ब्रिज की चौड़ाई 12 मीटर की होगी। ऐसे में तय स्वरूप में सड़क बन जाने पर ब्रिज के दोनों ओर सर्विस रोड के लिए भी जगह मिल सकेगी।

हमने जहां एमआर-4 की भुजा उतारने की प्लानिंग शुरू की है, वहां के अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम से भी बात चल रही है। यहां 45 मीटर की सड़क स्वीकृत है और उस पर हमारा 12 मीटर का ब्रिज आसानी से उतर जाएगा। वहीं भागीरथपुरा के ट्रैफिक को लेकर जनप्रतिनिधियों का कहना है कि वहां का ट्रैफिक एमआर-4 पर आकर यू टर्न लेकर ब्रिज का उपयोग कर लेगा। इसीलिए वहां पर भुजा उतारने की योजना को बदला जा रहा है।

- गुरनीत कौर भाटिया, ईई, पीडब्ल्यूडी, ब्रिज सेल